www.a2zSubjects.com

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

J 3 3 1 5

PAPER - II
DOGRI

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

DOGRI

डोगरी

Paper - II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : इस पेपर च **पंजाह् (50)** मते विकल्पी सुआल न। हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न। **सभनें** सुआलें दे परते देओ।

1. शिक्षा :

(a) वेदें दे पठन-पाठन दे अंगें चा इक ऐ।

(b) उच्चारण-शास्त्र दा दूआ नांऽ ऐ।

(c) गी सामान्य भाशा-विज्ञान आखेआ जाई सकदा ऐ।

(d) गी सामान्य ध्वनि-विज्ञान आखेआ जाई सकदा ऐ।

(1) (a) ते (d) ठीक न। (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (b) ते (d) ठीक न। (4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) इ	(i) मोकला ते पिछला
(b) ऐ	(ii) सौंगड़ा ते अगला
(c) आ	(iii) अद्धमोकला ते अगला
(d) उ	(iv) सौंगड़ा ते पिछला

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

3. सौ दी गिनतरी दे वाचक शब्दें सतम्, सद, शतम् ते स्तो दे क्रम दे स्हाबें सतम् वर्ग दियें इंदियें भाशाएं दे नाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) अवेस्ता, फ़ारसी, संस्कृत, रूसी (2) संस्कृत, फ़ारसी, अवेस्ता, रूसी

(3) रूसी, फ़ारसी, संस्कृत, अवेस्ता (4) अवेस्ता, संस्कृत, रूसी, फ़ारसी

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

4. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी भाशा दी ध्वनि-संरचना च स्वरें-व्यंजनें दे इलावा होर तत्व बी हैन।

(R) मात्रा, बलाघात, सुर बगैरा डोगरी भाशा दी ध्वनि संरचना दा जरूरी हिस्सा नेईं।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

5. डोगरी डिक्शनरी दे कुल्ल भाग न :

(1) अट्ठ (2) छे (3) चार (4) पंज

6. 'हिरख' शब्द :

(a) पदार्थवाचक ऐ। (b) भाव वाचक ऐ।

(c) नींदे-चढ़दे सुरै च बलोंदा ऐ। (d) उच्चे-ढलदे सुरै च बलोंदा ऐ।

(1) (b) ते (c) ठीक न। (2) (a) ते (b) ठीक न।

(3) (b) ते (d) ठीक न। (4) (a) ते (c) ठीक न।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	जन्नां	(i) प्रथम पुरश, इकवचन
(b)	जंदे न	(ii) मध्यम पुरश, बहुवचन
(c)	जंदे ओ	(iii) अन्य पुरश, इकवचन
(d)	जंदा ऐ	(iv) अन्य पुरश, बहुवचन

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(4)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

8. समूह, सिलसला, गिनतरी ते आवृत्ति अर्थें दे क्रम दे स्हाबें दो, दूआ, दूना, दोऐ विशेशनें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) दो, दूना, दूआ, दोऐ (2) दोऐ, दो, दूआ, दूना

(3) दूना, दूआ, दोऐ, दो (4) दोऐ, दूआ, दो, दूना

9. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी विशेशनें च तुलना दे भाव आस्तै रूपायन होंदा ऐ।

(R) डोगरी विशेशनें च रूपायन-प्रक्रिया बड़ी समृद्ध ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

10. 'दौड़ेआ' पद ऐ :

(1) निश्चार्थक सधारण भूतकाली (2) निश्चर्थाक पूर्ण भूतकाली

(3) आज्ञार्थक सधारण भूतकाली (4) संकेतार्थक सधारण भूतकाली

11. डोगरी कविता च कंढी प्रदेश दा चित्रण :

(a) गंगाराम दी कविता च मिलदा ऐ। (b) तारा स्मैलपुरी दी कविता च मिलदा ऐ।

(c) किशन स्मैलपुरी दी कविता च मिलदा ऐ। (d) मोहनलाल सपोलिया दी कविता च मिलदा ऐ।

(1) (a) ते (c) ठीक न। (2) (a), (b) ते (c) ठीक न।

(3) (b) ते (c) ठीक न। (4) (a), (b) ते (d) ठीक न।

12. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) अनसंभे भाव	(i) अरविंद
(b) प्रण	(ii) अभिशाप
(c) चरखा	(iii) मधुकर
(d) काली चिड़ी	(iv) तारा स्मैलपुरी

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

13. गोगाराम साथी, जितेंद्र उधमपुरी, यश शर्मा ते मोहनलाल सपोलिया कवियें दे इस क्रम दे स्हाबें इं' दी रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ।

(1) हिरखी धागे, डुग्गरनामा, बूंद तरेलू दी, चानना सफर

(2) चानना सफर, बूंद तरेलू दी, डुग्गरनामा, हिरखी धागे

(3) डुग्गरनामा, हिरखी धागे, बूंद तरेलू दी, चानना सफर

(4) बूंद तरेलू दी, हिरखी धागे, चानना सफर, डुग्गरनामा

14. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) आधुनिक डोगरी कविता सिर्फ छंदोबद्ध रूपै च गै नेईं लखोआ करदी।

(R) दोहा, चमुखा, कुंडली, भाख, सवैया आधुनिक कविता दे केईं रूप न।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

15. इं' दे च चमुखा-संग्रैह् ऐ :

(1) टिम-टिम करदे तारे

(2) सोचें दा सरलाऽ

(3) सुच्चियां सम्हालां

(4) सरबंध जन्मै दे

16. सन् 2002 च प्रकाशत डोगरी क्हानी-संग्रैह् :

(a) 'क्रास फायरिंग' चौह्दें क्हानियें दा संकलन ऐ।

(b) 'ढलदी धुप्पै दा सेक' दस्सें क्हानियें दा संकलन ऐ।

(c) 'जींदा श्हीद' राज राही हुंदी रचना ऐ।

(d) 'कमलो' कृष्णा प्रेम हुंदी रचना ऐ।

(1) (a) ते (b) ठीक न।

(2) (a), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a), (b) ते (c) ठीक न।

(4) (b) ते (d) ठीक न।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

17. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	बेल	(i)	दर्शन 'दर्शी'
(b)	गास ओपरा धरत बगान्नी	(ii)	इन्दरजीत केसर
(c)	भागीरथ	(iii)	रत्नगोपाल खजूरिया
(d)	सरकंढे	(iv)	केवल कृष्ण शाकिर

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

18. आतंकवाद, विधवानारी दे मनोभाव, संसारी जीबें दे आपसी सरबंध ते बजुर्गें प्रति गैर जिम्मेदारी विशें दे इस क्रम दे स्हाबें इं' दी क्हानियें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) वापसी, कैह्र, रसभंग ते ढलदी धुप्पै दा सेक

(2) ढलदी धुप्पै दा सेक, वापसी, कैह्र ते रसभंग

(3) रसभंग, वापसी, कैह्र ते ढलदी धुप्पै दा सेक

(4) कैह्र, रसभंग, ढलदी धुप्पै दा सेक ते वापसी

19. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी उपन्यास-रचना दे खेतरा किश नमें लेखक बी आए न।

(R) डोगरी उपन्यास-रचना दी स्थिति बड़ी संदोखजनक नेईं।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

20. इं'दे च बाल क्हानी-संग्रैह् ऐ :

(1) चाननी दे अत्थरूं (2) खुशी दे अत्थरूं (3) खारे अत्थरूं (4) त्रिप-त्रिप अत्थरूं

21. नीलांबर देव शर्मा हुंदे निबंध न :

(a) टरकाऊ नंद (b) मर्हक्खे (c) बुढ़ापा (d) टरूनंद

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a) ते (b) ठीक न। (4) (a), (b) ते (d) ठीक न।

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) गरसाल कोठी	(i) संसार चंद
(b) चेतें दी चितकबरी	(ii) शिवनाथ
(c) बस स्टाप	(iii) विश्वनाथ खजूरिया
(d) शक्की गुआंढी थमां	(iv) लक्ष्मी नारायण

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(3)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(4)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

23. प्रकाशन-ब'रै दे स्हाबें डोगरी लेखमाला, रम्जी सीरां, बूरे दे लड्डू ते निक्के-निक्के निबंध, निबंध संग्रैहें दा स्हेई क्रम ऐ।

(1) डोगरी लेखमाला, बूरे दे लड्डू, रम्जी सीरां ते निक्के-निक्के निबंध

(2) निक्के-निक्के निबंध, बूरे दे लड्डू, रम्जी सीरां ते डोगरी लेखमाला

(3) डोगरी लेखमाला, निक्के-निक्के निबंध, बूरे दे लड्डू ते रम्जी सीरां

(4) बूरे दे लड्डू, निक्के-निक्के निबंध, डोगरी लेखमाला ते रम्जी सीरां

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

24. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) जीवनी दा विशे कोई बी वस्तु जां मनुक्ख होई सकदा ऐ।

(R) जीवनी च कल्पना दी गुंजैश नेईं होंदी ते नां गै एह् कोरा इतिहास होंदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

25. 'निबंध च बौद्धिक निस्संगता मुक्ख तौरा पर मजूद होंदी ऐ ते ओह्दे कन्नै प्रमाण जां विचारें दा पोशण होंदा ऐ।' एह् आखे दा ऐ :

(1) चंचल शर्मा होरें (2) हजारी प्रसाद द्विवेदी होरें

(3) विश्वनाथ खजूरिया होरें (4) हरवर्ट रीड होरें

26. रेडियो नाटक :

(a) च सिर्फ आंगिक अभिनय म्हत्तवपूर्ण होंदा ऐ।

(b) च सिर्फ वाचिक अभिनय म्हत्तवपूर्ण होंदा ऐ।

(c) दर्शकें सामनै प्रतक्ख प्रस्तुत कीता जंदा ऐ।

(d) दर्शकें तगर यांत्रिक माध्यमें राहें पुजदा ऐ।

(1) (a) ते (c) ठीक न। (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (b) ते (d) ठीक न। (4) (b), (c) ते (d) ठीक न।

27. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	सुतीक्षण कुमार आनंदम्	(i) ढौंदियां कन्धां
(b)	डॉ. मनोज	(ii) इक्कीमीं सदी दे डाक्टर दी हट्टी
(c)	दीनू भाई पन्त	(iii) निहाल
(d)	नरेंद्र खजूरिया	(iv) संझाली

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(3)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

28. प्रकाशन-ब'रे दे स्हाबें इक्कीमीं सदी दे पैह्ले द्हाके च मोहन सिंह हुंदे नाटकें दा स्हेई क्रम ऐ ।

(1) समें ओ समें, इक लड़ाई होर, न्यांऽ ते पंच-प्रपंच

(2) इक लड़ाई होर, न्यांऽ, समें ओ समें ते पंच-प्रपंच

(3) पंच-प्रपंच, समें ओ समें, इक लड़ाई होर ते न्यांऽ

(4) समें ओ समें, पंच-प्रपंच, इक लड़ाई होर ते न्यांऽ

29. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी दे रंगमंची नाटकें च गिनतरी दे स्हाबें खासा विकास होआ ऐ।

(R) डोगरी दे रंगमंची नाटकें दे प्रकाशन आस्तै पिछला ब'रा बड़ा म्हत्तपूर्ण रेहा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

30. 'अस बी खुश ते ओह् बी खुश' नाटक ऐ :

(1) सुतीक्षण कुमार आनंदम् हुंदा (2) डी.सी. प्रशांत हुंदा

(3) जितेंद्र उधमपुरी (4) जितेंद्र शर्मा

31. अरबन द्वारा दित्ती गेदी प्रतीकें दी बंड ऐ :

(a) छंदोबद्ध प्रतीक (b) अंतरद्रिश्टी परक प्रतीक

(c) स्वछंद प्रतीक (d) व्याख्यापरक प्रतीक

(1) (a) ते (c) ठीक न। (2) (b) ते (c) ठीक न।

(3) (a), (b) ते (c) ठीक न। (4) (b), (c) ते (d) ठीक न।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

32. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	उत्पत्तिवाद	(i)	शंकुक
(b)	भुक्तिवाद	(ii)	भट्ट लोल्लट
(c)	अभिव्यक्तिवाद	(iii)	भट्ट नायक
(d)	अनुभितिवाद	(iv)	अभिनवगुप्त

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

33. भारती काव्य-शास्त्र दे काव्यालंकार, काव्यालंकारसूत्र, नाट्यशास्त्र ते ध्वन्यालोक ग्रंथें दे रचना-काल दे स्हाबें इं'दा क्रम ऐ :

(1) नाट्यशास्त्र, काव्यालंकार, काव्यालंकारसूत्र ते ध्वन्यालोक।

(2) काव्यालंकार, नाट्यशास्त्र, ध्वन्यालोक ते काव्यालंकारसूत्र।

(3) ध्वन्यालोक, नाट्यशास्त्र, काव्यालंकारसूत्र ते काव्यालंकार।

(4) काव्यालंकारसूत्र, काव्यालंकार, नाट्यशास्त्र ते ध्वन्यालोक।

34. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) यथार्थवादी रचना च अतीत ते भविक्ख दी बनिस्बत वर्तमान दा मता चित्रण होंदा ऐ।

(R) यथार्थवाद सिर्फ समस्या प्रस्तुत करदा ऐ, ओह्दा हल नेईं दिंदा।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न पर **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

35. ''चन्न-चनैन चनौती चंगी, चित्त चानन चा चढ़ेआ।

कुर-मुर मुक्की बिंद न्हेरे दी, फ्ही आसें लड़ फड़ेआ।''

प्रस्तुत सतरां उदाहरण न :

(1) वृत्यानुप्रास अलंकार दा। (2) छेकानुप्रास अलंकार दा।

(3) अंत्यानुप्रास अलंकार दा। (4) लाटानुप्रास अलंकार दा।

36. 'लोक-गीतें' च :

(a) सिर्फ व्यंग होंदा ऐ। (b) भाव-पक्ख दी कमी नेईं होंदी।

(c) कला-पक्ख दी कमी होंदी ऐ। (d) संगीत दी कमी नेईं होंदी।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a) ते (b) ठीक न। (4) (a), (b) ते (d) ठीक न।

37. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	श्रम गीत	(i) द्रुबड़ी गीत
(b)	संस्कारगीत	(ii) गरलोडी
(c)	पर्वगीत	(iii) ऐंजली
(d)	भगती गीत	(iv) घोड़ी

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

38. प्रकाशन-क्रम दे स्हाबें लोक-कत्थें दे इ' नें संकलनें स्हेई क्रम ऐ :

(1) इक डंडिया मैह्ल, मनुक्ख ते परमात्मा, नागबनी ते देनहार।

(2) मनुक्ख ते परमात्मा, इक डंडिया मैह्ल, देनहार ते नागबनी

(3) देनहार, इक डंडिया मैह्ल, नागबनी ते मनुक्ख ते परमात्मा

(4) मनुक्ख ते परमात्मा, देनहार, इक डंडिया मैह्ल ते नागबनी

39. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) खुआन च ज्हारें ब' रें दा मनुक्खी अनुभव होंदा ऐ।

(R) खुआन भाशा गी सोआरने ते अपनी गल्लै गी असरदार बनाने लेई बरती जाने आह्ली सिनफ ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ पर **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ पर **(R)** ठीक ऐ।

40. 'बुझारतें दी रचना जां जन्म अदूं होआ होग जदूं किश कारणें करी माह्नू गी सिद्धे-सादे शब्दें च कोई गल्ल समझाने च किश औख बझोई होग।' एह् आखे दा ऐ :

(1) चंचल शर्मा होरें (2) नीलांबर देव शर्मा होरें (3) फ्रेज़र होरें (4) शिव देव मन्हास होरें

41. भावानुवाद :

(a) च अनुवादक मूल दे अर्थ गी छोड़ी देने आस्तै अजाद होंदा ऐ।

(b) च शब्दें दे मकाबले च भाव दे अनुवाद पर बल दित्ता जंदा ऐ।

(c) गी अंग्रेज़ी च 'पैराफ्रेज़' आखदे न।

(d) च अनुवादक मूल कृति गी म्हेशां नजरी च रखदा ऐ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a) ते (c) ठीक न। (4) (b) ते (d) ठीक न।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

42. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	द न्यू टैस्टामैंट ।	(i)	साहित्यक अनुवाद
(b)	काव्यानुवाद 'पुनर्वास' ऐ।	(ii)	श्रीमद्भगवद्गीता
(c)	धर्मार्थ ट्रस्ट, जम्मू।	(iii)	चंद्रकांत देवताले
(d)	राश्ट्री भावनात्मक एकता निर्माण।	(iv)	धर्म-पुस्तक

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

43. क्हानी, उपन्यास, काव्य ते गद्य, साहित्यक विधाएं दे इस क्रम दे स्हाबें श्री राधा, साशिया दी क्हानी, जनता दा आदमी ते पतझड़ दी अवाज़ दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) श्री राधा, जनता दा आदमी, साशिया दी क्हानी ते पतझड़ दी अवाज़।

(2) श्री राधा, पतझड़ दी अवाज़, साशिया दी क्हानी ते जनता दा आदमी।

(3) साशिया दी क्हानी, श्री राधा, जनता दा आदमी, पतझड़ दी अवाज़।

(4) पतझड़ दी अवाज़, जनता दा आदमी, श्री राधा ते साशिया दी क्हानी।

44. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) सिर्फ अभ्यास करने कन्नै गै कोई सफल अनुवादक नेईं बनी सकदा।

(R) अनुवाद करने आस्तै कलात्मक रुचि ते सिरजन-समर्थ बी जरूरी ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न, पर **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

45. विनोबा भावे हुंदे 'गीता प्रवचन' दे द' ऊं ध्याएं दा अनुवाद सन् 1964 च प्रो. राम नाथ शास्त्री होरें कीता। ओह् दो ध्याऽ न :

(1) पैह्ला ते चौथा (2) पैह्ला ते दूआ (3) दूआ ते त्रिया (4) त्रिया ते चौथा

46. प्रभावी जनसंचार दे तत्व न :

(a) स्पश्टता (b) पूर्णता (c) संगीतात्मकता (d) रोचकता

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न। (4) (b) ते (c) ठीक न।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) ऐफ्फ.ऐम्म. चैनल	(i) मजदूर, करसानें वगैरा लेई खास।
(b) विविध भारती	(ii) शैह्री श्रोताएं आस्तै खास।
(c) राश्ट्री चैनल	(iii) सन् 1957।
(d) आकाशवाणी	(iv) बहुजन हिताय बहुजन सुखाय।

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

48. डोगरी शीराज़ा, नमीं चेतना, रेखा ते लोऽ डोगरी दियां प्रमुख पत्रिकां न। इं'दा प्रकाशन शुरू होने दे ब' रे दे स्हाबें स्हेई क्रम बनदा ऐ।

(1) रेखा, डोगरी शीराज़ा, परचोल ते लोऽ। (2) डोगरी शीराज़ा, रेखा , लोऽ, परचोल।

(3) रेखा, लोऽ, डोगरी शीराज़ा ते परचोल। (4) लोऽ, रेखा, डोगरी शीराज़ा ते परचोल।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

49. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A)** (असर्शन) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R)** (रीज़न) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) जनसंचार दे परंपरागत माध्यमें दा विस्तार अपने इलाकाई खित्तें ते जाति-वर्ग तगर सीमत होंदा ऐ।

(R) जनसंचार दे परंपरागत माध्यमें दा कम्म-खेतर खास समूह् दी सामूहिक अभिव्यक्ति कन्नै सरबंधत ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न, पर **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

50. रेडियो कश्मीर, जम्मू दी प्राइमरी सर्विस लगदी ऐ :

(1) शार्ट वेव उप्पर।

(2) ऐफ्फ.ऐम्म. चैनल उप्पर।

(3) प्राइमरी वेव उप्पर।

(4) मीडियम वेव ते शार्ट वेव उप्पर।

- o 0 o -

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com